University in News on 17 January 2020

i-Next Page 4

दो सेमेस्टर में सिर्फ पढ़ाई पर फोकस

PIC CANVA_JAGRAN NEXT

सीबीसीएस के तहत ऑनर होने वाले तमोकट का तैयार करना होगा सिलेबस

LUCKNOW (16 Jan, inext): कानपुर में नए सेशन से पोस्ट ग्रेजुएशन और पीएचडी कोर्स में सीबीसीएस को लागू करने के लिए गुरुवार को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में सभी डीन और एचओडी की बैठक हुई।

बैठक में वीसी ने दिये कई निर्देश

24 को दोबारा होगी बैठक

बैठक में तय किया गया कि सभी पीजी कोर्सेस के फर्स्ट ईयर में कोर्स के संशोधित सिलेबस को ज्यादा से ज्यादा कवर किया जाएगा. इस अवसर पर कई डिपार्टमेंट के एचओडी ने अपने-अपने डिपार्टमेंट सीबीसीएस लागू करने के लिए प्रेजेंटेशन दिया, लेकिन कई प्रेजेंटेशन देखने के बाद भी सीबीसीएस को लेकर डीन और एचओडी के कॉन्सेप्ट में कोई मंतुष्ट नहीं दिखे. इसके बाद उन्होंने खुद ही सभी को सीबीसीएस को किस तरह से लागू करना है इसकी पूरी रूपरेखा के बारे में जानकारी दी. साथ ही वीसी ने कहा कि सीबीसीएस में ऐसा कोर्स तैयार किया जाए जो छात्रों के लिए मददगार हो, उन्होंने ओपन इलेक्टिव, इंटर डिपार्टमेंट क्रेडिट ट्रांसफर के साथ-साथ मूक्स कोर्स को भी पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही.

फार एंड थ्री वन का तैयार

अधिकारियों का कहना है कि अगर छात्रों कोर्स का क्रेडिट आ है तो वह कराए में ग्रेन क्रेडिट के लिए वन पार्ट की अवधि अधिकारी स्वयं ने चाही होगी, जो 90 दिनों तक लगातार चलेगी, यदि अगर दो क्रेडिट का कोर्स है तो उसके लिए सप्ताह में दाम में दाम दो घंटे की क्लास अनिवार्य है इसी भी 90 दिनों के अनुसार ही तैयार किया जाएगा, वीक में एक प्रैक्टिकल क्लास भी होना अनिवार्य किया जाएगा.

सीबीसीएस के लिए तैयार करना होगा सिलेबस

सीबीसीएस को लेकर सिलेबस कैसे तैयार किया जाना चाहिए, इसके बारे में भी वीसी ने सभी को विस्तार से जानकारी दी. वीसी ने बताया कि हर डिपार्टमेंट पहले तो अपने कोर्स का पूरा सिलेबस तैयार करेगा, साथ ही वह जो कोर्स सीबीसीएस के तहत ऑनर करेगा इसका भी सिलेबस विभाग को खुद तैयार करना होगा. वीसी ने सभी डिपार्टमेंट को साफ निर्देश दिए हैं कि जो भी कोर्स सीबीसीएस में छात्रों को ऑनर दिये जाएं वह मार्केट बेस्ड होना में रोजगार तैयार किये जाएं.

पीएचडी में भी सीबीसीएस

कानपुर के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि नए सेशन में वीसी के सभी सुझाव के बाद ही पीएचडी के सभी विषयों में भी सीबीसीएस को लागू किया जाएगा. पीएचडी में स्टूडेंट्स को कोर्स वर्क में सीबीसीएस के तहत अलग विषय को चुनने का मौका दिया जाएगा.

सीबीसीएस में तैयार करे मूल्यवर्धन कोर्स

AMAR UJALA-MY CITY Page 5

लविवि में पीएचडी कोर्स वर्क में लागू होगा सीबीसीएस

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अपने यहां परास्नातक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ पीएचडी कोर्स वर्क में भी च्वॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) लागू करेगा। इसे नए सत्र 2020-21 से प्रभावी बनाया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसका काफी खाका तैयार कर लिया है। बृहस्पतिवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस पर विस्तार से चर्चा हुई। विभागों को 20 जनवरी तक इसका विस्तृत प्लान तैयार कर जमा करने को कहा गया है। अंतिम मुहर के लिए 24 जनवरी को बैठक बुलाई गई है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में सभी संकायाध्यक्ष व विभागाध्यक्षों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों के बीच इस पर विस्तार से चर्चा हुई। कुलपति ने शिक्षकों की सीबीसीएस लेकर आने वाली शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने बताया कि सभी कोर्स में पांच यूनिट का कोर्स होगा। साथ ही इसे थ्री प्लस वन में बांटा जाएगा। इसके तहत तीन-तीन दिन थ्योरी की कक्षाएं होंगी और आगे ट्यूटोरियल होंगे। इसमें विद्यार्थी अपनी शंकाओं का शिक्षक से मिलकर समाधान कर सकेंगे। इस सिस्टम के बनने से विद्यार्थियों को काफी राहत होगी।

विवि में सीबीसीएस का खाका तैयार, 24 को अंतिम मुहर

हर संकाय में पांच यूनिट का होगा कोर्स, थ्री प्लस वन का होगा खाका

92 क्रेडिट का बनाएंगे कोर्स

प्रेजेंटेशन के दौरान कुछ विभागों ने अपने यहां की तैयारियों को प्रस्तुत किया, जिसमें कुलपति ने आंशिक संशोधन बताया। एक विभाग की ओर से दिए गए प्रस्तुतीकरण के अनुसार, पूरे कोर्स को पांच भागों में 90 से 100 क्रेडिट का बनाया जाएगा। इसमें तीन सेमेस्टर 24-24 क्रेडिट के होंगे, जबकि चौथे भाग में नॉन क्रेडिट व पांचवें में ओपेन इलेक्टिव कोर्स का अवसर विद्यार्थी को दिया जाएगा। इस तरह वह आसानी से सीबीसीएस से अपना कोर्स कर सकेगा।

उन्होंने बताया कि सीबीसीएस में मूल्यवर्धित क्रेडिट पाठ्यक्रम, मूल्यवर्धित नॉन क्रेडिट पाठ्यक्रम, फ्रीज इलेक्टिव, ओपन इलेक्टिव, अन्तर्विभागीय क्रेडिट ट्रांसफार, अन्तर्विभागीय क्रेडिट ट्रांसफर के साथ-साथ मैसिव ओपेन ऑनलाइन कोर्सेज (मूक्स) को भी पाठ्यक्रम में स्थान दिया जा रहा है। प्रथम चरण में सीबीसीएस की व्यवस्था पीएचडी कोर्स वर्क एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए तैयार की जा रही है। इससे पहले 9 जनवरी को हुई बैठक के क्रम में कॉमर्स, सोशल साइंस व जियोलॉजी विभागाध्यक्षों ने अपनी तैयारियों को भी प्रस्तुत किया। हालांकि इसमें भी संशोधन के साथ दोबारा प्रस्तुतीकरण के लिए कहा गया।

विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में भी एक बार पीजी में सीबीसीएस को प्रभावी बनाने की कवायद हो चुकी है, लेकिन शिक्षकों के ही इसे ठीक से न समझ पाने के कारण यह प्रभावी नहीं बन पाया। इस बार भी नवागत कुलपति के निर्देश पर कदमताल तो शुरू हो गई है, लेकिन इसे लेकर शिक्षकों के बीच अभी काफी कनफ्यूजन है। शिक्षकों का कहना है कि जिस तरह सेमेस्टर सिस्टम लागू करने से कार्यशाला का आयोजन किया गया था। उसी तरह इसके लिए भी एक विशेषज्ञ कार्यशाला का भी आयोजन किया जाना चाहिए।

शिक्षकों में इस पर अभी काफी भ्रम

शोधार्थियों को होगा इसका लाभ

विश्वविद्यालय प्रशासन की योजना रंग लाई तो सीबीसीएस शोधार्थियों के लिए लाभकारी भी होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन की योजना है कि एक तरफ तो वे कोर्स वर्क में इसका लाभ लेंगे, वहीं सीबीसीएस में अतिरिक्त कक्षाओं के लिए भी उनका प्रयोग किया जा सकता है। इसके लिए उन्हें अलग से भुगतान भी किया जाएगा। वहीं जिन विभागों में कक्षाओं की काफी अधिकता है। वहां के शिक्षकों का भी बोझ कम होगा और वे शोध को समय दे पाएंगे।

लविवि देगा सबसे बेहतर मॉडल

सीबीसीएस पर लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन काफी गंभीरता से काम कर रहा है। हमारा प्रयास है कि हम इसका सबसे बेहतर मॉडल तैयार करके शताब्दी वर्ष में एक तोहफा दें, ताकि विद्यार्थियों को इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके।

-डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लविवि

NBT Page 8

एलयू में पीएचडी कोर्स वर्क में भी होगा सीबीसीएस

वीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक में फैसला, 24 को फिर बुलाई बैठक

■ एनबीटी, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय नए सत्र से पीजी कोर्सों के साथ पीएचडी कोर्स वर्क में भी चॉइस बेस क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) लागू करेगा। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई हेड और डीन की बैठक में यह निर्णय लिया गया। वीसी ने सभी हेड को सीबीसीएस के आधार पर विभागवार सिलेबस तैयार करके 24 जनवरी को होने वाली बैठक में रखने के निर्देश दिए हैं।

एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने पीजी में सीबीसीएस लागू करने के लिए सभी हेड और डीन को 16 जनवरी तक सिलेबस तैयार करने को कहा था। गुरुवार को दोपहर 12 बजे बैठक बुलाई गई। इसमें वीसी के सामने कॉमर्स, साइंस और आर्ट डिपार्टमेंट ने अपना प्रेजेंटेशन दिया। तय हुआ कि पहले चरण में पीजी के साथ पीएचडी कोर्स वर्क में भी सीबीसीएस लागू किया जाएगा। इसके बाद यूजी कोर्सों में भी शुरुआत होगी। वीसी ने सिलेबस में नए बदलाव को शामिल करने के भी निर्देश दिए।

हॉस्टल में हर सप्ताह जांची जाएगी सेहत

मनोचिकित्सक भी करेंगे जांच, जल्द लागू होगी व्यवस्था

■ एनबीटी, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के हॉस्टल में रहने वाले स्टूडेंट्स का सप्ताह में दो दिन स्वास्थ्य जांचा जाएगा। इस दौरान मानसिक स्वास्थ्य की जांच के लिए मनोचिकित्सक भी मौजूद रहेंगे। वीसी के निर्देश पर जल्द ही यह व्यवस्था लागू की जाएगी।

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कई बार स्टूडेंट्स किसी न किसी बात को लेकर डिप्रेशन का शिकार हो जाते हैं। उन्हें तनाव से मुक्त रखने के लिए मनोचिकित्सक स्टूडेंट्स से बात करेंगे। इसके अलावा दो एनजीओ से बात की गई है। उनकी मदद से हॉस्टल के सभी स्टूडेंट्स का हीमोग्लोबिन टेस्ट करवाया जाएगा। जिन बच्चों में उसकी कमी होगी, उनके पैरेंट्स को सूचित किया जाएगा। वीसी ने बताया कि जल्द ही दो रेंक्लेस की सुविधा कैंपस में उपलब्ध करवाएंगे, जिसमें ऑक्सीजन से लेकर कई सुविधाएं होंगी। इसके अलावा छात्राओं में खाना बनाने की आदत डालने के लिए गर्ल्स हॉस्टलों में इंटर हॉस्टल फूड प्रतियोगिता भी करवाएगा।

चार क्रेडिट का होगा एक पेपर

पीजी में सीबीसीएस के तहत हर सेमेस्टर में छह पेपर होंगे। इसमें सप्ताह में तीन लेक्चर क्लास और दो क्लास ट्यूटोरियल की होंगी। तीन लेक्चर क्लास के तीन क्रेडिट और दो ट्यूटोरियल क्लास का एक क्रेडिट मिलाकर हर पेपर चार क्रेडिट का होगा। एक सेमेस्टर 24 क्रेडिट का होगा। चारों का क्रेडिट 90 से 100 के बीच तय किए जाएंगे।

फ्रीज्ड इलेक्टिव पेपर होगा अनिवार्य

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सीबीसीएस में क्रेडिट बेस सिलेबस, नॉन क्रेडिट सिलेबस, इंटर डिपार्टमेंटल, इंट्रा डिपार्टमेंट के साथ फ्रीज्ड इलेक्टिव और ओपेन इलेक्टिव कोर्स होगा। फ्रीज्ड इलेक्टिव कोर्स अनिवार्य रूप से छात्रों को पढ़ना होगा, जबकि ओपन इलेक्टिव में चॉइस मिलेगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय को फिर मिली बीएड प्रवेश परीक्षा की जिम्मेदारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को एक बार फिर संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा कराने की जिम्मेदारी दी गई है। विवि इससे पहले पांच बार यह परीक्षा आयोजित कर चुका है। उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव अब्दुल समद के आदेश जारी करते ही लविवि ने सत्र 2020-21 की बीएड प्रवेश परीक्षा को लेकर कवायद शुरू कर दी है। इस परीक्षा में प्रदेश के लगभग 2700 कॉलेज शामिल होते हैं, जिनकी 2000 से अधिक सीटें हैं।

- विवि छठवीं बार कराएगा परीक्षा का आयोजन
- प्रदेश के लगभग 2700 कॉलेज होते हैं शामिल

विशेष सचिव की ओर से कुलसचिव, लविवि को भेजे पत्र में कहा गया कि प्रदेश में इससे संबद्ध व सहयुक्त घटक महाविद्यालयों में शिक्षण उपाधि के लिए शिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रवेश से संबंधित नियमों के अनुसार बीएड प्रवेश परीक्षा 2020 आयोजित करने व काउंसलिंग के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को नामित किया गया है।

विश्वविद्यालय के सूत्रों के अनुसार इस बार प्रवेश कराने की जिम्मेदारी शिक्षा शास्त्र विभाग को दी जा सकती है। इस बारे में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने डीन शिक्षा शास्त्र विभाग प्रो. अमिता बाजपेई से विस्तृत चर्चा की है। बता दें कि इससे पहले लखनऊ विश्वविद्यालय ने वर्ष 2010, 2015, 2016, 2017 व 2018 में बीएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया है। वर्ष 2019 में यह जिम्मेदारी रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली को दी गई थी। लखनऊ विश्वविद्यालय ने ही पहली बार 2017 में ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म की व्यवस्था प्रभावी की थी।